वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 292 मंगलवार 24 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आमजन की समस्याओं का हो त्वरित समाधान, अधिकारी करें नियमित मॉनिटरिंग: भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नियमित रूप से जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें राहत दी

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना ही राज्य सरकार का लक्ष्य

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, किसान, मजदूर, युवा सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि जवाबदेहिता एवं पारदर्शिता से कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई भी इसी ध्येय की ओर बढ़ता एक मजबूत कदम है। मुख्यमंत्री नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें राहत दे रहे हैं। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी उम्मीद के साथ आते हैं। ऐसे में अधिकारी इन प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इनका शीघ्र निस्तारण करें। शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। आमजन अपनी परिवेदनाओं के निस्तारण से बेहद संतुष्ट नजर आए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए इसका शीघ्र समाधान करें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, पशुपालन, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने संत-महात्माओं से लिया आशीर्वाद

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में जोधपुर के प्रेम हरि प्राणी मात्र सेवा संस्थान से आए संत-महात्माओं का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया एवं उनसे आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री शर्मा ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के पोस्टर विमोचन भी किए। जन सुनवाई में मुख्यमंत्री से मुएथई खेल में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वाले राजस्थान के युवा प्रतिभागियों से मुलाकात भी की। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

युवा भारत की मूल जड़ों को पहचानें और विकास में सहभागी बने: विधानसभाध्यक्ष

विधानसभाध्यक्ष ने राजस्थान विश्वविद्यालय की एनएनएस द्वारा विकसित भारत @2047 समर्थ युवा-सशक्त भारत प्रतिभा सम्मान समारोह को किया संबोधित

जयपुर. कासं

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएनएस) द्वारा विकसित भारत @2047 समर्थ युवा-सशक्त भारत प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशालय एस एस भटनागर थे। विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत @2047 केवल प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का सपना नहीं बल्कि अब हर भारतीय का संकल्प बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से पूरे विश्व को अपना परिवार मानकर एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाना चाहता है। भारत सदैव विश्व का मार्गदर्शक रहा है और आगे भी बना रहेगा। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े युवाओं का आह्वान किया कि वे भारत की मूल जड़ों को पहचाने और एआई के वर्तमान समय में युगानुकूल होते हुए नवाचारों और प्राचीन ज्ञान का समन्वय करके विकास की महान यात्रा में भारत की संस्कृति को आत्मसात करते हुए सहभागी बने। साथ ही, सेवा की संस्कृति को अपने जीवन का अंग बनाएं। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि हम सभी भारतवासियों को इस बात का गर्व होना चाहिए कि हम सदियों पहले से ही विश्व गुरु और विकसित सभ्यता और संस्कृति वाला देश रहें है। वास्कोडिगामा ने भारत को नहीं खोजा था बल्कि भारत ने पूरे विश्व को खोजा है। विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि भारत हमेशा से ही ज्ञान का केन्द्र रहा है और सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, धार्मिक, तकनीकी आदि जीवन के हर क्षेत्र में विश्व में सबसे आगे रहा है लेकिन दो हजार वर्षों की गुलामी के कारण हम अपनी मूल जड़ों और पहचान को भूल गए थे।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर वन संरक्षण जागरूकता पोस्टर का विमोचन

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर जयपुर टाइगर फेस्टिवल की ओर से वन संरक्षण एवं संवर्धन के लिए एक विशेष जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के वन मंत्री श्री संजय शर्मा ने पोस्टर का अनावरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में वन मंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वनों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों—जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ या स्मृति दिवस—पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।पोस्टर की थीम "Celebrate the Lungs of Our Planet – Protect Forests, Protect Life !" (हमारे ग्रह के फेफड़ों का उत्सव मनाएँ—वनों की रक्षा करें, जीवन की रक्षा करें) रखी गई है, जो वनों के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से दर्शाती है।इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन) श्री आनंद कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (PCCF) श्री पी.के. उपाध्याय, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी श्री अजय गुप्ता, जयपुर टाइगर फेस्टिवल के अध्यक्ष श्री संजय खावड़ तथा सचिव श्री आनंद अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के माध्यम से वन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आमजन को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने का संदेश दिया गया।

चेटीचंड शोभायात्रा का महावीर सेवा परिषद ने पुष्प वर्षा व गुलाबजल से किया स्वागत

अजमेर (रोहित जैन). **शाबाश इंडिया।** चेटीचंड पर्व के अवसर पर सिंधी समाज द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा का नया बाजार क्षेत्र में महावीर सेवा परिषद की ओर से पुष्प वर्षा एवं गुलाबजल छिड़ककर भव्य स्वागत किया गया।इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। परिषद के महासचिव कमल गंगवाल ने बताया कि शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। साथ ही आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों, गणमान्य व्यक्तियों एवं समाज के वरिष्ठजनों का माला पहनाकर सम्मान किया गया। विशेष रूप से राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष प्रोफेसर वासुदेव देवनानी का मोतियों की माला और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पारंपरिक उत्साह के साथ शोभायात्रा का अभिनंदन किया और पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में महासचिव कमल गंगवाल के साथ संजय जैन, विजय पांड्या, देवर्ष गंगवाल, रिपेंद्र कासलीवाल सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।यह आयोजन सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक एकता और आपसी भाईचारे का सुंदर उदाहरण बनकर सामने आया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL | प्रायोजक समाचार जगत

ARL Infratech Ltd. द्वारा

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

शुक्रवार 27 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक

Venue : ARL Infratech Ltd.
Village Dhami Khurd, Bagru, N.H-8 Ajmer Hiway

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

:: सम्पर्क ::
श्री मधु थानवी
9413338479

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल की पहल, ट्रांसजेंडर समुदाय को दी आत्मनिर्भरता की दिशा

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए ट्रांसजेंडर समुदाय के सशक्तिकरण के लिए पांच सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। यह कार्यक्रम मृणाल शर्मा के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य इस वर्ग को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। इस पहल के माध्यम से क्लब ने यह संदेश दिया कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर मिलना चाहिए। सिलाई मशीनों के वितरण से ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे और मुख्यधारा से जुड़ने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान क्लब मेंटर कुलदीप सिंह ढिल्लों, क्लब अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन एवं डॉ. अनुराग तोमर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय के आत्मविश्वास को बढ़ाना और उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाना भी है। रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है और आगे भी जनहितकारी योजनाओं के माध्यम से सामाजिक समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

तीर्थंकर भगवान के माता-पिता की गोद भराई, सौधर्म इंद्र का हुआ सम्मान

टीकमगढ़ (लार). शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, लार में आयोजित होने वाले श्रीमज्जिनेन्द्र जिनबिंब पंच कल्याणक मानस्तंभ प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत तीर्थंकर भगवान के माता-पिता की गोद भराई की रस्म भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर तीर्थंकर भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य श्रीमती शोभा जैन एवं सवाई चौधरी ज्ञानचंद्र जैन को प्राप्त हुआ। जैन समाज की महिलाओं ने भजन-कीर्तन एवं मंगल गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। नारियल, काजू, बादाम, किशमिश, मखाने एवं मावा से गोद भराई की रस्म पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न की गई। इसके साथ ही तिलक, पगड़ी और शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर सौधर्म इंद्र की भूमिका निभा रहे सवाई चौधरी मनीष जैन तथा इन्द्राणी की भूमिका में श्रीमती पूनम जैन का भी समाजजनों द्वारा शॉल, श्रीफल एवं अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम महावीर विहार कॉलोनी स्थित धर्मशाला में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजकुमार जैन (शिक्षक), वीरेंद्र सापोंन, अंकित जैन, ज्ञानचंद्र जैन, नीरज जैन, सुरेंद्र सापोंन, सवाई चौधरी जिनेश जैन, आशीष चौधरी, पं. कमल कुमार शास्त्री, पुष्पेंद्र सिंघई, दिनेश जैन, विजय जैन, पवन जैन सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रचार मंत्री मुकेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित होने वाले श्रीमज्जिनेन्द्र जिनबिंब पंच कल्याणक मानस्तंभ प्रतिष्ठा, गजरथ महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यह भव्य आयोजन श्री 108 पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगलमय सानिध्य में संपन्न होगा, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

जयकारों से गूंजा माहौल, धर्म ध्वजा स्थापना के साथ शिव महापुराण कथा की तैयारियां शुरू

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शहर में रविवार को भगवान भोलेनाथ और संकटमोचन हनुमानजी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। यह दृश्य 8 से 14 अप्रैल तक होने वाली श्री शिव महापुराण कथा के आयोजन से पूर्व धर्म ध्वजा स्थापना एवं भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान देखने को मिला। आजाद नगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड में श्री शिव महापुराण कथा आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर धर्म ध्वजा स्थापित की गई। ध्वज स्थापना श्री हरिशेवाधाम के महामंडलेश्वर श्री हंसरामजी उदासीन महाराज के करकमलों से तथा श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर कोटड़ी के गोभक्त संत लालदासजी महाराज का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से जयकारे लगाए। ध्वज स्थापना एवं भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष विधायक अशोक कोठारी एवं कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। वैदिक अनुष्ठान पंडित अशोक व्यास के नेतृत्व में संपन्न कराए गए, जिसमें पंडित देवेंद्र शास्त्री, ऋषि शास्त्री, हिमांशु शास्त्री, राजेंद्र शास्त्री एवं अविश शास्त्री ने सहयोग दिया। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक श्रीगोपाल राठी, राकेश पाठक, संयोजक अशोक बाहेती एवं गजानंद बजाज, महासचिव पीयूष डाड, कन्हैयालाल स्वर्णकार सहित अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी ने बताया कि धर्म ध्वजा स्थापना के साथ ही कथा स्थल पर विशाल टेंट और अन्य व्यवस्थाओं का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कथा श्रवण के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समिति पूरी तैयारी कर रही है। प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से आयोजित होने वाली श्री शिव महापुराण कथा को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालु बढ़-चढ़कर आयोजन से जुड़ रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय

सुलगता पश्चिम एशिया

किशन सनमुखदास भावनानी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब पारंपरिक युद्ध की सीमाओं से आगे बढ़कर एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां परमाणु ठिकाने भी निशाने पर आने लगे हैं। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने न केवल क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाई है, बल्कि वैश्विक स्तर पर परमाणु संकट की आशंका भी गहरा दी है। हालिया घटनाओं में परमाणु संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों पर हमलों ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या दुनिया एक नई परमाणु आपदा के मुहाने पर खड़ी है। संघर्ष के स्वरूप में बदलाव स्पष्ट दिख रहा है। जहां पहले सैन्य ठिकानों और सीमावर्ती क्षेत्रों को निशाना बनाया जाता था, वहीं अब परमाणु प्रतिष्ठान भी हमलों के दायरे में हैं। इजरायल द्वारा ईरान के नतांज परमाणु केंद्र पर एयरस्ट्राइक और इसके जवाब में ईरान द्वारा डिमोना क्षेत्र के आसपास मिसाइल हमले इस तनाव की गंभीरता को दर्शाते हैं। ये घटनाएं केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि एक खतरनाक जुआ हैं, जिनके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। परमाणु ठिकानों पर हमलों का सबसे बड़ा खतरा रेडिएशन रिसाव है। यूरेनियम और प्लूटोनियम जैसे रेडियोधर्मी तत्वों का रिसाव हवा, पानी और मिट्टी के माध्यम से दूर-दूर तक फैल सकता है। इसके दुष्प्रभावों में कैंसर, जन्मजात विकृतियां, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली और पर्यावरणीय क्षति शामिल हैं। चेरनोबिल और फुकुशिमा जैसी घटनाएं इसकी भयावहता को पहले ही साबित कर चुकी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। हालांकि हाल में डिमोना क्षेत्र में विकिरण स्तर सामान्य बताए गए हैं, लेकिन यह राहत अस्थायी हो सकती है। युद्ध की अनिश्चितता के बीच केवल निगरानी पर्याप्त नहीं, बल्कि ठोस वैश्विक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। डिमोना और नतांज दोनों ही देशों की सामरिक शक्ति के प्रतीक हैं। डिमोना इजरायल की परमाणु क्षमता का केंद्र माना जाता है, जबकि नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का प्रमुख आधार है। इन ठिकानों पर हमला विरोधी देश की रणनीतिक ताकत को कमजोर करने का प्रयास है, जिससे संघर्ष और तीव्र हो सकता है। इस पूरे परिदृश्य में अमेरिका की भूमिका भी अहम है।

संपादकीय

बदलते शक्ति संतुलन की आहट

पश्चिम एशिया में जारी ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव अब एक गंभीर और जटिल संघर्ष का रूप ले चुका है। यह केवल सैन्य टकराव नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक रणनीतियों की परीक्षा बन गया है। हालिया घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि यह संघर्ष अपेक्षा से कहीं अधिक लंबा और कठिन साबित हो सकता है। अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत कई मोर्चों पर कार्रवाई की। माना जा रहा था कि ईरान की आंतरिक परिस्थितियों और राजनीतिक अस्थिरता का लाभ उठाकर तेजी से परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। लेकिन घटनाक्रम ने इस अनुमान को चुनौती दी है। संघर्ष कई सप्ताह तक जारी रहने के बाद भी स्थिति स्पष्ट रूप से किसी एक पक्ष के पक्ष में नहीं झुकी है। युद्ध के दौरान दोनों पक्षों को नुकसान उठाना पड़ा है। विभिन्न सैन्य ठिकानों, ऊर्जा केंद्रों और रणनीतिक परिसंपत्तियों को निशाना बनाया गया है। हालांकि कई दावों और प्रतिदावों के बीच वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रम भी बना हुआ है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि युद्ध केवल मैदान में ही नहीं, बल्कि सूचना और मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी लड़ा जा रहा है। ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइल क्षमता के माध्यम से जवाबी कार्रवाई की है, जिसने यह दिखाया कि आधुनिक युद्ध केवल महंगे हथियारों पर निर्भर नहीं है। अपेक्षाकृत कम लागत वाले हथियारों से भी बड़े और उन्नत रक्षा तंत्र को चुनौती दी जा सकती है। इसने वैश्विक सैन्य रणनीतियों को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस संघर्ष का प्रभाव केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं है। खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव से महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका है। कूटनीतिक स्तर पर भी स्थिति जटिल बनी हुई है। एक ओर अमेरिका और उसके सहयोगी तनाव कम करने के संकेत दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान अपने रुख पर कायम दिखाई देता है। प्रतिबंधों, वार्ताओं और संभावित युद्धविराम को लेकर विभिन्न बयान सामने आ रहे हैं, लेकिन कोई ठोस समाधान अभी तक सामने नहीं आया है। इस संघर्ष ने यह भी स्पष्ट किया है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में परिवर्तन हो रहा है। अब केवल पारंपरिक सैन्य ताकत ही निर्णायक नहीं रह गई है, बल्कि तकनीक, रणनीति और धैर्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं। छोटे और मध्यम शक्ति वाले देश भी अपने संसाधनों के प्रभावी उपयोग से बड़े देशों को चुनौती देने में सक्षम हो रहे हैं। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में कई अपुष्ट और अतिरंजित दावे भी सामने आए हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे में यह आवश्यक है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले विश्वसनीय स्रोतों पर आधारित जानकारी को ही महत्व दिया जाए। वर्तमान स्थिति में यह कहना कठिन है कि यह संघर्ष कब और किस रूप में समाप्त होगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भारत का शिक्षा संकट

डॉ. अनुराग वर्मा

आज भारत एक शांत लेकिन गहरे मोड़ पर खड़ा है। एक ओर विश्वविद्यालय हर वर्ष लाखों स्नातक और स्नातकोत्तर तैयार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इन युवाओं का बड़ा हिस्सा या तो बेरोजगार है या अपनी योग्यता के अनुरूप काम नहीं पा रहा। इसी बीच, देश के गांव जो कभी आत्मनिर्भर जीवन का आधार थे धीरे-धीरे अपने युवाओं को खोते जा रहे हैं। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के बीच बढ़ते असंतुलन का संकेत है। हमारी शिक्षा व्यवस्था पर लंबे समय तक औपनिवेशिक सोच का प्रभाव रहा, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक और लिपिकीय कार्यों के लिए मानव संसाधन तैयार करना था। आज भारत ने आर्थिक और तकनीकी रूप से प्रगति की है, लेकिन शिक्षा की मूल दिशा में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। हम अभी भी कौशल के बजाय डिग्रियों, क्षमता के बजाय प्रमाणपत्र और स्थानीय अवसरों के बजाय शहरी नौकरियों को अधिक महत्व देते हैं। परिणामस्वरूप, युवा सीमित सफेदपोश नौकरियों की तलाश में शहरों की ओर पलायन करते हैं और अक्सर अस्थिर व कम संतोषजनक काम में फंस जाते हैं। दूसरी ओर, ग्रामीण भारत एक विरोधाभास झेल रहा है। कृषि और पारंपरिक व्यवसायों में युवाओं की रुचि घट रही है, जबकि इन्हीं क्षेत्रों में श्रम की कमी और उत्पादन में ठहराव बढ़ रहा है। कभी भारत के गाँव आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्थाओं के केंद्र थे कृषि, कुटीर उद्योग और शिल्प न केवल आजीविका, बल्कि पहचान का हिस्सा थे। गुरुकुल जैसी परंपराएं शिक्षा को जीवन, प्रकृति और जिम्मेदारी से जोड़ती थीं। विडंबना यह है कि आज दुनिया उन्हीं सिद्धांतों की ओर लौट रही है कि स्थानीय उत्पादन, कौशल आधारित अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन जिन्हें हमने पीछे छोड़ दिया। भारत को आधुनिकता से पीछे नहीं जाना, बल्कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन स्थापित करना है। इस संकट का समाधान किसी एक नीति से संभव नहीं, बल्कि समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पहला, शिक्षा को साक्षरता से आगे बढ़ाकर आजीविका से जोड़ना होगा। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों और कॉलेजों में कृषि विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण, तकनीकी मरम्मत, डिजिटल कौशल और लघु उद्यम प्रबंधन जैसे व्यावहारिक विषयों को शामिल करना आवश्यक है। दूसरा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को केवल कच्चे उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहिए। किसानों और कारीगरों को प्रसंस्करण, पैकेजिंग और बाजार तक सीधी पहुँच के लिए सक्षम बनाना होगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जिससे छोटे ग्रामीण उद्यम भी राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जुड़ सकें। तीसरा, ग्रामीण कार्यों को सामाजिक सम्मान देना अत्यंत आवश्यक है। एक कुशल किसान, कारीगर या तकनीशियन केवल विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके योगदान को मान्यता और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। अंततः यह स्वीकार करना होगा कि हर शिक्षित युवा को पारंपरिक दफ्तर की नौकरी नहीं मिल सकती और न ही सभी को उसी दिशा में जाना चाहिए। एक सशक्त अर्थव्यवस्था विविध भूमिकाओं पर आधारित होती है, जिनमें ग्रामीण और कौशल आधारित कार्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इसलिए चुनौती केवल बेरोजगारी की नहीं, बल्कि गलत दिशा में बनी आकांक्षाओं की भी है। यदि शिक्षा प्रणाली केवल डिग्रियां बांटती रही और वास्तविक कौशलों की उपेक्षा करती रही, तो यह अंतर और गहराता जाएगा।

घुवारा पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में, पात्रों को दी ट्रेनिंग; सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

घुवारा. शाबाश इंडिया

22 मार्च से प्रारंभ होने जा रहे श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। महोत्सव स्थल पर प्रमुख पात्रों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया, वहीं प्रशासन और समिति द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमल कुमार (जयपुर) के निर्देशन में मंच कलाकार श्री चक्रेश जी सोजना एवं संगीतकार उमेश एंड पार्टी ने माता-पिता, सौधर्म इंद्र, कुबेर सहित प्रमुख पात्रों के साथ अष्ट कुमारियों एवं छप्पन कुमारियों को उनके अभिनय एवं धार्मिक अनुष्ठानों की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया। महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने वेदी, मंच, पांडाल सहित श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्थाओं–टेंट, कोटेज, छात्रावास एवं कॉलेज भवनों–का निरीक्षण किया। इसके साथ ही अस्थायी कार्यालय, पूछताछ केंद्र, अमानती सामान गृह, चिकित्सालय, सुरक्षा कार्यालय, अतिथि कक्ष, पेयजल, भोजनशाला एवं वाहन पार्किंग स्थलों का भी बारीकी से जायजा लेकर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भगवा थाना प्रभारी कृपाल मार्को पुलिस बल के साथ स्थल पर पहुंचे और मुआयना किया। उन्होंने बताया कि 22 से 27 मार्च तक चलने वाले इस महोत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसी क्रम में सुज्ञानवृद्धि पाठशाला में जैन समाज की उपस्थिति में भगवान के माता-पिता की गोद भराई एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसके पश्चात श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से प्रमुख पात्रों का हल्दी-मेहंदी कार्यक्रम गाजे-बाजे के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव को लेकर घुवारा सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं।

तीर्थराज शिखरजी की पावन वंदना सफलतापूर्वक संपन्न

तीर्थराज शिखरजी की पावन वंदना सानंद संपन्न कर लौटे पूज्य पिताजी श्री मनोज जैन, माताजी श्रीमती चंद्रप्रभा जैन एवं समस्त पाटोदी परिवार के यात्रीगणों को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं।

–सौरभ, मीनू, समर्थ, शनाया

जैन विद्या के क्षेत्र में गौरवपूर्ण उपलब्धि

पं. सुनील प्रसन्न शास्त्री को मिलेगा "आचार्य विमलसागर शोधानुसंधान अवार्ड"

बड़ागांव. शाबाश इंडिया। जैन विद्या के उन्नयन एवं विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वान पं. सुनील प्रसन्न शास्त्री को वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित ''अंकलीकर अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड'' के अंतर्गत ''आचार्य विमलसागर शोधानुसंधान अवार्ड'' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह से आचार्य आदिसागर अंकलीकर परम्परा पर किए गए उनके उच्चस्तरीय शोध कार्य के लिए प्रदान किया जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत शोध कौशल का प्रमाण है, बल्कि जैन दर्शन और संस्कृति के गहन अध्ययन में उनके महत्वपूर्ण योगदान को भी दर्शाती है। इस सम्मान के अंतर्गत पं. शास्त्री को ₹51,000 की नगद राशि, शाल, श्रीफल एवं स्मृतिचिन्ह भेंट किए जाएंगे। इस अवार्ड के पुण्यार्जक श्री रिखबचंद जी, श्री अजित जी एवं श्री कमल जी कासलीवाल (सेलम) परिवार हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेंद्र कुमार जैन (इंदौर) ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मान समारोह चतुर्थ पट्टाधीश प्राकृत महोदधि आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित होगा। यह आयोजन भव्य श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक जिनबिंब प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत संपन्न किया जाएगा। सम्मान समारोह 30 मार्च 2026 को दोपहर 2 बजे सन्मति पार्क में आयोजित होगा, जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु, विद्वान एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे और इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे। यह सम्मान न केवल पं. सुनील प्रसन्न शास्त्री के उत्कृष्ट शोध कार्य की पहचान है, बल्कि जैन दर्शन, साहित्य और संस्कृति के वैश्विक प्रसार में उनके योगदान को भी रेखांकित करता है।

विरासत की रोशनी में नई दृष्टि: "हाई लाइट हेरिटेज" कार्यशाला बनी सृजनात्मकता का उत्सव

बागोर की हवेली में फोटोग्राफी के जरिए धरोहर को देखने-समझने का मिला नया नजरिया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत को नई दृष्टि से समझने और सहेजने के उद्देश्य से आयोजित ''हाई लाइट हेरिटेज'' एक दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला शनिवार को उत्साह, ऊर्जा और रचनात्मकता के अद्भुत संगम के साथ संपन्न हुई। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की भारतीय ज्ञान परंपरा पहल तथा भारतीय ज्ञान परंपरा शोध केंद्र, राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को न केवल फोटोग्राफी का तकनीकी ज्ञान प्रदान किया, बल्कि उन्हें अपनी सांस्कृतिक धरोहर से भावनात्मक रूप से जोड़ने का अवसर भी दिया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र परिसर स्थित बागोर की हवेली में आयोजित इस कार्यशाला में महाविद्यालय की छात्राओं के साथ शहर के विभिन्न कला-प्रेमियों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे वातावरण जीवंत और प्रेरणादायक बना रहा। इस अवसर पर चित्तौड़ से आए 83 वर्षीय सतपाल सहित योग गुरु सुरेश पालीवाल, कला प्राध्यापक बिंदिया पंवार, कला शिक्षक नवल सिंह और रजत पटेल की प्रेरणादायक उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश शर्मा ''राजदीप'' ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को फोटोग्राफी के मूल सिद्धांतों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि विरासत केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि एक अनुभूति है, जिसे संवेदनशील दृष्टिकोण से समझना आवश्यक है। उन्होंने प्रकाश और छाया के संतुलन, स्थापत्य की सूक्ष्म रेखाओं, मूर्तिकला तथा ऐतिहासिक संरचनाओं की बारीकियों को कैमरे में प्रभावी ढंग से कैद करने की तकनीकों को सरल भाषा में समझाया। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जाना कि कैमरा केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने हवेलियों, मंदिरों और अन्य ऐतिहासिक स्थलों के विभिन्न आयामों को नए नजरिए से देखने और उन्हें रचनात्मक रूप में प्रस्तुत करने का अभ्यास किया। इस अवसर पर शोध परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं चित्रकला के सहायक आचार्य डॉ. दीपक सालवी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में हमारी विरासत केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की पहचान और भविष्य की दिशा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और उनमें संरक्षण की जिम्मेदारी का भाव विकसित करते हैं। महाविद्यालय प्राचार्य एवं संरक्षक प्रो. दीपक माहेश्वरी ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे अकादमिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। यह कार्यशाला केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक जीवंत अनुभव के रूप में सामने आई, जहां प्रतिभागियों ने अपनी विरासत को नए दृष्टिकोण से देखा, महसूस किया और उसे सहेजने का संकल्प लिया।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा ''राजदीप''

महावीर जयंती पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 29 मार्च को

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर जयंती के अवसर पर 29 मार्च (रविवार) को वर्धमान हॉस्पिटल में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर स्वर्गीय श्री महावीर प्रसाद ''नेताजी'' एवं स्वर्गीय श्रीमती कमला देवी जैन की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। ग्रुप अध्यक्ष नरेंद्र जैन 'नृपत्या' एवं शिविर के मुख्य संयोजक डॉ. मनोज जैन ने बताया कि शिविर की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति का गठन कर जनसंपर्क अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप पिछले चार वर्षों से महावीर जयंती के अवसर पर निरंतर रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है, जिससे अनेक जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सका है। इस शिविर में एकत्रित रक्त को स्थानीय रिया ब्लड बैंक द्वारा संग्रहित किया जाएगा, जो आवश्यकता पड़ने पर 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में भाग लेकर रक्तदान करने की अपील की है। गत दिवस शिविर के पोस्टर का विमोचन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र जैन पांड्या, राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव यश कमल अजमेरा, रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, रीजन अध्यक्ष सुनील जैन बज, ग्रुप अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या, संस्थापक अध्यक्ष सुमेर जैन सोनी, रीजन संयुक्त सचिव डॉ. मनोज जैन, रीजन उपाध्यक्ष मृदुला जैन, ग्रुप सचिव महेश जैन तथा ग्रुप कोषाध्यक्ष सुभाष जैन सोगानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

कुलरिया ने ''राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026'' पोस्टर का विमोचन कर कार्यक्रम का किया शुभारंभ

11 निराश्रित बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए संस्था का विशेष संकल्प

उदयपुर. शाबाश इंडिया। झीलों की नगरी उदयपुर में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं बाल विकास आयोग ट्रस्ट द्वारा प्रस्तावित ''राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार सम्मान समारोह 2026'' की तैयारियों का शुभारंभ पोस्टर विमोचन के साथ किया गया। पद्म पैलेस में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में प्रख्यात उद्योगपति, गौसेवी एवं भामाशाह शंकर कुलरिया ने समारोह के पोस्टर का अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान कुलरिया ने कहा कि समाज और राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजनों से सेवा कार्यों को पहचान मिलती है और समाज में सकारात्मक प्रेरणा का संचार होता है। उन्होंने इस पहल को सराहनीय बताते हुए संस्था को शुभकामनाएं दीं। आयोजकों ने बताया कि इस सम्मान समारोह में देश के 12 से अधिक राज्यों से चयनित प्रतिभागियों को आमंत्रित किया जाएगा तथा विभिन्न सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पंकज जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस अवसर पर संस्था द्वारा वर्ष 2024 में गोद लिए गए 11 निराश्रित बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए विशेष योजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है, जिन्हें समारोह के दौरान आगे बढ़ाया जाएगा। यह पहल संस्था के सामाजिक सरोकार और सेवा भाव को दर्शाती है। विमोचन कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन गोविंद जांगिड़, कवि धीरज सुथार, जिला उपाध्यक्ष यशवंत मेनारिया, बृजेश जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह आयोजन समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करने के साथ-साथ सेवा और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने निकाली धर्म यात्रा

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल को गंगापुर सिटी के तत्वावधान में आज सुबह आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक धर्म यात्रा कार्यक्रम के दौरान आज स्थानीय जिनालयों की वंदना का कार्यक्रम बहुत ही भव्यता और धार्मिक भावना के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी में जिनेन्द्र भगवान की वंदना के साथ हुई। सभी दंपत्ति सदस्य पचरंगी ध्वज के साथ में यात्रा के रूप में नसियां जी से आदिनाथ मंदिर के लिए रवाना हुए। समाज के वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष आदरणीय सतीश जैन पांड्या एवं अध्यक्ष श्री प्रवीण जैन गंगवाल ने झंडी दिखाकर धर्म यात्रा को रवाना किया। भगवान महावीर की जय जयकार के साथ सभी लोग अपने-अपने वाहनों पर रवाना हुए शहर के मुख्य मार्ग चूली गेट, गर्ल्स स्कूल ,महेश टॉकीज ,देवी स्टोर चौराहा,होते हुए आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे। जहां सभी ग्रुप सदस्यों ने आदिनाथ भगवान के चरणों मे श्रीफल चढ़ाकर विश्व शांति की कामना की। जिनालय की वंदना की प्रश्चात सभी लोग रैली के रूप में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर के लिए रवाना णमोकार मंत्र गाते हुए जैन धर्म एवं आदिनाथ भगवान, भगवान महावीर स्वामी की जय जयकार करते हुए जय धर्म यात्रा सैनिक नगर स्थित पारस जैन मंदिर पहुंची। पारसनाथ मंदिर में जिनेंद्र भगवान के सामूहिक अभिषेक शांति द्वारा की गई शांति धारा करने का सौभाग्य धर्म सृष्टि जगदीश जी विछोछ वालों को मिला। भगवान की अष्ट द्रव्यों से पूजा की गई। पारसनाथ स्तोत्र नरेंद्र फनिंद्रम सुरेंद्र अधिसम का पाठ करते हुए भगवान पारसनाथ से सभी के कल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम में काफी तादात में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के दंपति सदस्य उपस्थित रहे।

नौगामा जैन समाज ने अशोक पाटनी को "धर्म चक्रवर्ती" की उपाधि से किया अलंकृत

धर्मसेवा, दानशीलता और राष्ट्रहित में योगदान का सम्मान

नौगामा. शाबाश इंडिया। आदिनाथ जयंती के पावन अवसर पर नौगामा जैन समाज द्वारा समाजसेवी एवं भामाशाह अशोक जी पाटनी को ''धर्म चक्रवर्ती'' की उपाधि से अलंकृत कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके दीर्घकालीन धर्मसेवा, समाजहित और राष्ट्रहित में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। दिगंबर जैन समाज, सुखोदय अतिशय क्षेत्र नौगामा की ओर से आयोजित इस गरिमामयी समारोह में समाज के प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति में अशोक पाटनी को अभिनंदन पत्र एवं उपाधि प्रदान की गई। समाज के महासचिव श्रीपाल जैन (आर्किटेक्ट) ने अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए उन्हें धर्मनीति पर चलने वाला प्रेरणास्रोत बताया। अभिनंदन पत्र में उल्लेख किया गया कि कोरोना काल के दौरान पाटनी परिवार ने सरकार को आर्थिक सहयोग प्रदान कर मानवता की मिसाल पेश की, वहीं बाढ़ जैसी आपदाओं में जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध कराए। इसके अलावा देशभर की गोशालाओं में सहयोग देकर जीवदया की परंपरा को सुदृढ़ किया। शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्म क्षेत्र में भी पाटनी परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जैन समाज द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान, चिकित्सालय, व्रती आश्रम, ब्रह्मचारी आश्रम एवं वृद्धाश्रम के संचालन और विकास में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। समाजजनों ने बताया कि अशोक जी पाटनी, सुरेश जी पाटनी एवं विमल जी पाटनी ने देशभर के विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों और जिनालयों के निर्माण में उदारतापूर्वक सहयोग देकर दानशीलता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। वागड़ क्षेत्र में वीरोदय तीर्थ सहित अनेक धार्मिक स्थलों के विकास में भी उनका विशेष योगदान रहा है। मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से सुखोदय तीर्थ क्षेत्र नौगामा में निर्माणाधीन मुनि सुव्रतनाथ मंदिर के लिए आवश्यक विशाल पाषाण उपलब्ध कराने में भी पाटनी परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिससे निर्माण कार्य को गति मिली। समाजजनों ने इसे उनकी अटूट श्रद्धा, दृढ़ निष्ठा और सेवा भावना का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल उनके कार्यों का सम्मान है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा भी है। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष विपुल पंचोली एवं प्रवक्ता सुरेश गांधी सहित प्रदीप पिंडारमिया, राजेश पिंडारमिया, केसरीमल पंचोली, जीतमल पिंडारमिया, जयंतिलाल गांधी, नरेश पिंडारमिया और हंसमुख गांधी सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जम्बूद्वीप के भूत, भविष्य और वर्तमान तीर्थंकरों की पूजा में अर्पित हुए 311 अर्घ्य

महिलाएं अपने आचरण से आदर्श स्थापित करें: आचार्य प्रज्ञा सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। चित्रकूट कॉलोनी स्थित कंवर का बाग में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में चल रहे सर्वतोभद्र महामंडल विधान के चौथे दिन श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से 11 पूजाओं में कुल 311 अर्घ्य अर्पित किए। संयोजक सुनील लोहेवाले एवं मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात नित्य नियम की पूजा एवं विधान प्रारंभ हुआ। इस दौरान सुदर्शन मेरु और विजय मेरु के साथ जम्बूद्वीप के भारत क्षेत्र एवं ऐरावत क्षेत्र के भूत, भविष्य और वर्तमान चौबीस तीर्थंकरों की संगीतमय पूजा की गई। पूजन के दौरान इंद्र द्वारा अर्घ्य

अर्पित किए गए, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। शांतिधारा का सौभाग्य कैलाशचंद सौगानी परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि पाद प्रक्षालन का सौभाग्य महावीर आशीष सिरोली परिवार को मिला। सायंकालीन महारती का सौभाग्य महावीर कुमार विकाश दोशी परिवार को प्राप्त हुआ। प्रवचन के दौरान आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवार की आधारशिला होती हैं और उनके आचरण का सीधा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। इतिहास में मैना सुंदरी, ब्राह्मी और सुंदरी जैसी महान नारियों ने अपने आदर्श आचरण से समाज को दिशा दी है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने व्यवहार और संस्कारों के माध्यम से आदर्श स्थापित करें, जिससे एक स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव हो सके। संयुक्त मंत्री सत्यप्रकाश कसलीवाल ने जानकारी दी कि सोमवार को 15 पूजाएं आयोजित की जाएंगी। प्रातः 9 बजे आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होंगे, जिसके पश्चात आहारचर्या का आयोजन किया जाएगा।

रत्नत्रय महिला जागृति संघ ने किया ''रत्नत्रय कनेक्ट'' का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। रत्नत्रय महिला जागृति संघ द्वारा ''रत्नत्रय कनेक्ट'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शहर की जैन महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने सामाजिक जुड़ाव, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक समृद्धि का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती पूनम खंडेलवाल द्वारा रिबन कटिंग तथा श्रीमती नीरू जैन द्वारा दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण के साथ हुआ। इसके पश्चात संघ की फाउंडर सदस्य श्रीमती प्रियंका पाटनी, शालू बाकलीवाल, सुमन जैन, सरिता जैन, पूनम सेठी एवं रेखा पाटनी ने मंगलाचरण प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती सुमन जैन ने 'रत्नत्रय' का परिचय देते हुए संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। वहीं, श्रीमती शालू बाकलीवाल (माधोराजपुरा) ने संस्था की स्थापना, अब तक किए गए कार्यों और संघ से जुड़ने के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा महिलाओं को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रधान संयोजिका श्रीमती प्रियंका पाटनी ने संघ की आगामी योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी साझा की। आयोजन की मुख्य संयोजिका श्रीमती समता जैन एवं श्रीमती प्रिया जैन रहीं, जबकि सह संयोजिकाओं में श्रीमती अलका पाटनी, सुधा बाकलीवाल, श्वेता बाकलीवाल और सुरभि जैन ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. स्वीटी सोनी के साथ आयोजित टॉक शो रहा, जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य, पर्सनल केयर और महिलाओं में बढ़ती उम्र के साथ होने वाले शारीरिक व मानसिक बदलावों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके साथ ही आयोजित रैंप वॉक में महिलाओं ने आत्मविश्वास के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मनोरंजन के लिए 'एलिवेटर कैच' और 'नेटवर्किंग रिबन' जैसे रोचक खेलों का आयोजन भी किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 'मिस बॉस लेडी' का खिताब स्वाति ठोलिया को मिला, जबकि प्रज्ञा जैन प्रथम रनर-अप रहीं। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती डिंपल जैन द्वारा सभी प्रतिभागियों को फ्री एंट्री गिफ्ट्स प्रदान किए गए, वहीं श्रीमती सुमंगला जैन ने खेल प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का प्रायोजन किया।

घर-घर मंगलाचार कार्यक्रम से भक्ति और उल्लास से सराबोर हुई पुरानी मंडी

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर द्वारा ''घर-घर मंगलाचार'' कार्यक्रम का आयोजन सरावगी मोहल्ला इकाई की सदस्य अर्पणा सेठी के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला, जिसमें जैन समाज के महिला-पुरुषों सहित महासमिति के अनेक सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी एवं इकाई अध्यक्ष किरण गोधा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत णमोकार महामंत्र के जाप और भक्तामर पाठ से हुई। इसके पश्चात प्रियल एवं यथा जैन ने भक्ति भाव से मंगलाचरण प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान हीरामणि बडजात्या, अर्पणा सेठी, स्वीटी बाकलीवाल एवं अंकिता कासलीवाल ने एक सुंदर नाटिका के माध्यम से भगवान महावीर के पांच नाम—वीर, महावीर, अतिवीर, सन्मति एवं वर्धमान—का भावपूर्ण प्रस्तुतीकरण किया। इस प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक संदेश के साथ भावविभोर कर दिया। इसके अलावा प्रियांशी, भावना बाकलीवाल एवं अर्पणा नितिन सेठी ने भजनों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को और अधिक भक्तिमय बना दिया। महिला संभाग मंत्री सुषमा पाटनी एवं इकाई मंत्री राखी जैन ने बताया कि इस अवसर पर विजय लक्ष्मी एवं अनिल चंद सेठी ने तीर्थंकर भगवान के माता-पिता की भूमिका निभाकर आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम की शुरूआत में पुष्पा विनोद सेठी ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
A.D. Enterprises (ADEN) द्वारा
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
शुक्रवार 27 मार्च 2026
दोपहर 4 से 7 बजे तक
Venue : A.D. Enterprises (ADEN)
204, 4th Floor, Giriraj Tower, Muhana Mandi Road, Jaipur
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
आयोजक : श्री नितिन जैन, श्री समकित जैन
दीप प्रज्जवलन कर्त्ता : श्री आर. के. जैन
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

नवदुर्गा में नारी जीवन का दर्शन

शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक चेतना की अद्भुत यात्रा

आगरा, संजय सागर सिंह. शाबाश इंडिया

भारतीय संस्कृति में पूजित माँ दुर्गा के नौ स्वरूप केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि वे हर स्त्री के जीवन की आंतरिक चेतना और विकास के नौ चरणों का प्रतीक भी हैं। इसी दृष्टिकोण को सामने रखते हुए समाजसेविका एवं ''आत्मनिर्भर भारत एक पहल'' की अध्यक्ष नोनिता खुराना ने नारी जीवन के आध्यात्मिक और दार्शनिक आयामों को विस्तार से समझाया। नोनिता खुराना के अनुसार, प्रत्येक स्त्री अपने जीवन में नवदुर्गा के इन रूपों से होकर गुजरती है। कभी वह सहज और सरल होती है, कभी साधना में लीन, कभी संघर्षशील और अंततः ब्रह्मस्वरूपा बनकर पूर्णता को प्राप्त करती है। उन्होंने इस यात्रा को आत्मचेतना से ब्रह्म तक के विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने नारी जीवन के इन नौ चरणों की दार्शनिक व्याख्या करते हुए बताया...

शैलपुत्री: यह अवस्था मासूमियत, शुद्धता और जड़ों से जुड़ाव का प्रतीक है। जीवन की शुरूआत में स्त्री प्रकृति के करीब होती है और आत्मा के प्रथम प्रश्न ''मैं कौन हूं?'' से जुड़ती है।

ब्रह्मचारिणी: इस चरण में ज्ञान, अनुशासन और साधना की खोज होती है। स्त्री शिक्षा और आत्मचिंतन के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार की ओर अग्रसर होती है।

चंद्रघंटा: यह यौवन का चरण है, जहां सौंदर्य के साथ साहस और सजगता का संतुलन दिखाई देता है। यह भीतर की शक्ति और जागरूकता का प्रतीक है।

कूष्मांडा: यह सृजन और ऊर्जा का चरण है, जहां स्त्री मातृत्व और रचनात्मकता के माध्यम से जीवन को जन्म देती है और नए विचारों को आकार देती है।

स्कंदमाता: इस अवस्था में स्त्री संरक्षण और पालन-पोषण का दायित्व निभाती है। वह परिवार और संतानों के लिए सुरक्षा और स्नेह का आधार बनती है।

कात्यायनी: जब स्त्री अन्याय और असत्य के विरुद्ध खड़ी होती है, तब वह कात्यायनी का रूप धारण करती है। यह सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन की चेतना का प्रतीक है।

कालरात्रि: यह जीवन का कठिन और संघर्षपूर्ण चरण है, जहां स्त्री अपने भय, पीड़ा और चुनौतियों का सामना करती है। यही अनुभव उसे भीतर से मजबूत बनाते हैं।

महागौरी: संघर्ष के बाद प्राप्त शांति, संतुलन और पवित्रता इस अवस्था की विशेषता है। यहां स्त्री आंतरिक रूप से परिपक्व और जागरूक होती है।

सिद्धिदात्री: यह नारी जीवन की पूर्णता का प्रतीक है। इस अवस्था में स्त्री आत्मसिद्ध होकर ब्रह्मस्वरूपा बन जाती है और सृष्टि को दिशा देने वाली चेतना के रूप में स्थापित होती है।

अंत में नोनिता खुराना ने कहा कि नारी केवल एक भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि वह निरंतर विकसित होती चेतना है। माँ दुर्गा के ये नौ स्वरूप हर स्त्री के भीतर मौजूद हैं। आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने और आत्मसात करने की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब स्त्री अपने भीतर की इस शक्ति को पहचान लेती है, तब वह न केवल स्वयं को सशक्त बनाती है, बल्कि समाज और सृष्टि को भी नई दिशा देने में सक्षम हो जाती है।

'जियो और जीने दो' की गूंज से सजा जनकपुरी जैन मंदिर का मंच

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, जनकपुरी (ज्योति नगर) में बच्चों और युवाओं की भाषण प्रतियोगिता के दूसरे चरण का आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम में युवाओं ने अपने विचारों की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सकल दिगंबर जैन समाज जनकपुरी एवं राजस्थान जैन सभा के संयुक्त तत्वावधान में, अर्हम श्रीमाताजी के पावन सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भगवान महावीर के अमर संदेश ''जियो और जीने दो'' को नई पीढ़ी तक पहुंचाना था। प्रतियोगिता में 10 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विचारों से आध्यात्मिक संदेश को जीवंत किया। कार्यक्रम संयोजक नवल जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें श्री जिनेंद्र कुमार जैन, चंद्रकला जैन, ललित जैन, किरण जैन, पदमेश जैन तथा प्राची जैन (शेषा वाले लवकुश नगर परिवार) ने भाग लिया। इससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों—महेशनगर, कीर्तिनगर, दुर्गापुरा, जनकपुरी और मधुवन—से आए कुल 32 प्रतिभागियों ने जोश, आत्मविश्वास और ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हर प्रतिभागी ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपने शब्दों में प्रस्तुत किया, जिससे प्रतियोगिता विचारों का उत्सव बन गई। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच 12 प्रतिभागियों ने तीसरे चरण के लिए अपनी जगह बनाई। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के महासचिव मनीष वेद, मुख्य संयोजिका राखी जैन, अनिल छाबड़ा, नवीन जैन, अजय जैन (अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के अध्यक्ष) तथा सगनी फॉर एवर की महासचिव उर्मिला जैन की गरिमामय उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत बुद्धि प्रकाश जैन, पदमचंद बिलाला, देवेंद्र काशलीवाल, ज्ञान जी एवं राजेंद्र ठोलिया ने किया। अतिथियों ने युवाओं के आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए सकारात्मक पहल बताया। निर्णायक के रूप में प्रीति जैन एवं सुनीता गंगवाल ने प्रतिभागियों के विचार, प्रस्तुति और प्रभावशाली अभिव्यक्ति के आधार पर निष्पक्ष निर्णय दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इंद्र कुमार जैन ने किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को श्री जिनेंद्र कुमार जैन, चंद्रकला जैन, ललित जैन, किरण जैन, पदमेश जैन एवं प्राची जैन (शेषा परिवार) द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर राखी जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल प्रतियोगिता तक सीमित रहा, बल्कि युवाओं को उनके आदर्शों से जोड़ने और समाज में सकारात्मक विचारों के प्रसार का एक प्रभावी मंच भी साबित हुआ।

जिनेंद्र भगवान की सामूहिक आरती

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा रेलवे स्टेशन पर जल सेवा में उपयोग में आने वाली ट्रोलियां का भी अतिथियों द्वारा निरीक्षण किया गया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का 18वां स्थापना दिवस व शपथ ग्रहण समारोह भव्यता से संपन्न

नरेंद्र जैन बने अध्यक्ष, महेश जैन ने संभाला सचिव पद

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी का 18वां स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी में भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र मृदुला जैन पांड्या द्वारा सामूहिक णमोकार महामंत्र उच्चारण एवं ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात अतिथियों–यश कमल अजमेरा, राजेश जैन बड़जात्या, सुनील जैन बज सहित अन्य गणमान्यजनों का तिलक एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समारोह में भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया तथा 251 दीपकों से जिनेंद्र भगवान की सामूहिक आरती की गई। इस दौरान भक्ति गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। ग्रुप की प्रस्तावना रखते हुए नरेंद्र जैन ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी, वहीं निवर्तमान अध्यक्ष कृष्ण कुमार जैन ने अपने कार्यकाल (2024-26) की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि सुरेंद्र जैन पांड्या ने अपने उद्बोधन में समाज, धर्म और राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की देशभर में 350 से अधिक शाखाएं सक्रिय हैं और संगठन सामाजिक सरोकारों के कार्यों के लिए विशिष्ट पहचान बना चुका है। इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव राजेश जैन बड़जात्या ने संगठनात्मक दायित्वों पर प्रकाश डाला, जबकि राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यश कमल अजमेरा ने शपथ विधि अधिकारी के रूप में नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। नए पदाधिकारियों में नरेंद्र जैन (अध्यक्ष), महेश जैन (सचिव), रमेश जैन (उपाध्यक्ष), प्रवीण जैन (संयुक्त सचिव), ज्ञानेंद्र जैन (संगठन सचिव), मोनिका जैन (महिला प्रभारी), वीरेंद्र सोनी (सांस्कृतिक सचिव) सहित अन्य पदाधिकारियों ने शपथ

ली। अध्यक्ष पद संभालने के बाद नरेंद्र जैन ने कहा कि संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और साधु-संतों की सेवा के लिए योजनाएं बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मोनिका जैन ने किया। अंत में रीजन सह सचिव डॉ. मनोज जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए 29 मार्च को आयोजित रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया। समारोह में पूर्व अध्यक्ष सतीश जैन पांड्या, सुभाष जैन पांड्या, वर्तमान अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल सहित सैकड़ों सदस्य एवं परिवारजन उपस्थित रहे। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गोपाल सेवा भाव ट्रस्ट द्वारा नवसंवत्सर अभिनंदन एवं श्याम भजन संध्या का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपाल सेवा भाव ट्रस्ट, इंदिरा गांधी नगर, जयपुर द्वारा ट्रस्ट के चतुर्थ वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में ''नवसंवत्सर अभिनंदन एवं श्याम भजन संध्या'' का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन शनिवार, 21 मार्च 2026 को रिद्धि-सिद्धि गार्डन, सेक्टर-3, इंदिरा गांधी नगर, जगतपुरा में बड़े ही धूमधाम से किया गया। ट्रस्ट संरक्षक अखिल शुक्ला ने बताया कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, धार्मिक आस्था तथा नई पीढ़ी में संस्कार एवं चरित्र निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी डॉ. अशोक दुबे ने जानकारी दी कि इस अवसर पर भजन गायक पुरुषोत्तम शर्मा ''बृजवासी'' ने ''हम भीड़ नहीं हैं बाबा'', ''जब से लगाई घर में बाबा तेरी तस्वीर'' तथा ''बिगड़ी मेरी बना दे ऐ शेरों वाली मैया'' जैसे भावपूर्ण भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही विक्की शर्मा (गंगानगर), संजू शर्मा (शाहपुरा) एवं नंदा भाई (भुसावर) ने भी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में कृष्ण-सुदामा, राधा-कृष्ण एवं मां दुर्गा की आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं। इस अवसर पर शहर के प्रबुद्धजनों में ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के सुनील शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए ट्रस्ट को शुभकामनाएं दीं। ट्रस्ट अध्यक्ष कवि सुरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में सभी ट्रस्ट सदस्यों ने भी श्याम बाबा को समर्पित अपनी स्वरचित रचना ''श्याम आ जाओ'' का संगीतमय प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम की सफलता में ट्रस्ट सदस्य ब्रजेश सोनी, माधव मिश्रा, कृष्ण झालानी, आशीष शर्मा, भुवनेश, कपिल पचौरी, मनीष शर्मा, अमित मिश्रा, दीपक कराडिया एवं पुनीत जैन का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी नगर के प्रबुद्ध नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों में पार्षद छोटू राम मीणा, देवा जी, महेश कराडिया, नरेश, नीतेश, मोहित गौतम, तुलसी गुप्ता, श्याम मीणा, इमी लाल, चिराग सहित सैकड़ों की संख्या में श्याम भक्त उपस्थित रहे।

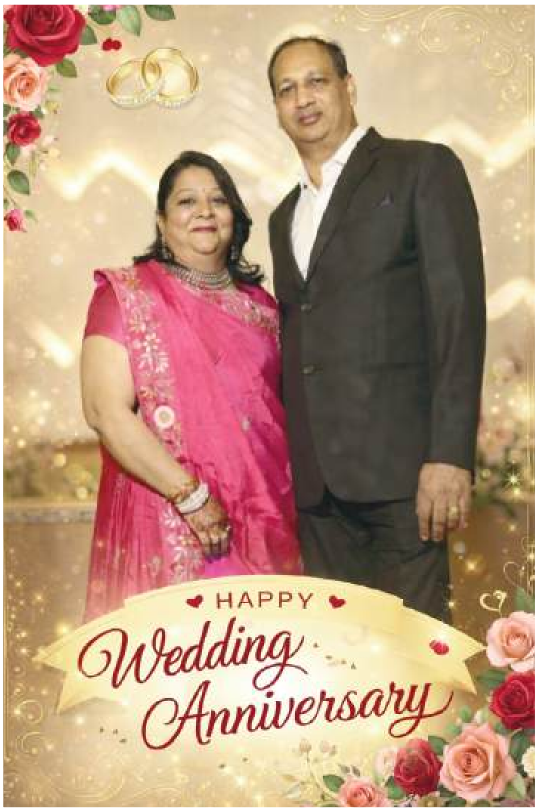

दिगंबर जैन सोशल समूह ''संगिनी फॉरएवर'' की धार्मिक मंत्री

श्रीमती बबीता जी एवं श्री सुनील जैन

को विवाह वर्षगांठ (23 मार्च) की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समस्त संगिनी फॉरएवर परिवार की ओर से

आपके सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना।

अध्यक्ष : शकुंतला विनायका

मंत्री : सुनीता गंगवाल

कोषाध्यक्ष : उर्मिला जैन

एवं समस्त संगिनी फॉरएवर परिवार

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल इकाई प्रथम की कोषाध्यक्ष एवं संगिनी फॉरएवर की सह-सचिव

श्रीमती मधु जी जैन

को जन्मदिन (21 मार्च) की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समस्त संगिनी फॉरएवर परिवार की ओर से आपके स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामनाएं

अध्यक्ष : शकुंतला विनायका

मंत्री : सुनीता गंगवाल

कोषाध्यक्ष : उर्मिला जैन

एवं समस्त संगिनी फॉरएवर परिवार

अनूठी पहल: शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन ने 15वें जन्मदिन पर शुरू की 15 दिवसीय नि:शुल्क कक्षाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जहां युवा शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन ने अपने 15वें जन्मदिन को समाजसेवा से जोड़ते हुए 15 दिवसीय नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत की है। वाणी ने इस पहल को अपने निजी बचत से शुरू किया, जिसका उद्देश्य छुट्टियों के दौरान बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर उनके मानसिक विकास को बढ़ावा देना है। शतरंज के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, तार्किक सोच और गणनात्मक क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि वे भविष्य में देश के विकास में योगदान दे सकें। वाणी ने बताया कि इस विचार को साझा करने पर उनके पिता जिनेश कुमार जैन ने उन्हें पूरा सहयोग दिया। साथ ही, चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान ने भी इस पहल की सराहना करते हुए आवश्यक शतरंज सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध कराई। प्रारंभ में स्थान की समस्या सामने आई, जिसे वाणी के पिता के मित्र मनीष सोगानी ने अपने कार्यालय परिसर उपलब्ध कराकर दूर किया। बाद में बच्चों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एमबीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने भी अपना विशाल हॉल नि:शुल्क उपलब्ध कराकर इस अभियान को और मजबूती प्रदान की। शुरूआत में सीमित बच्चों के साथ शुरू हुई यह पहल अब बड़े स्वरूप में विकसित हो चुकी है। वर्तमान में लगभग 76 बच्चे इस शिविर में नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण में इंटरनेशनल कोच विक्रम सिंह, सीनियर एडवोकेट पीयूष शर्मा, सीनियर कोच दीपक राव, डब्ल्यूपीएसएफ परिवार के सदस्य तथा मीना देवी मेमोरियल ट्रस्ट के पदाधिकारी भी नि:शुल्क सेवाएं दे रहे हैं। वाणी का कहना है कि जब कोई व्यक्ति सच्चे मन से समाज के लिए कार्य करता है, तो प्रकृति भी उसका साथ देती है। यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 15 मार्च 2026 से प्रारंभ होकर 29 मार्च 2026 तक संचालित किया जा रहा है। यह पहल न केवल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक सकारात्मक कदम है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

भीनमाल में तीन दिवसीय आर्य महासम्मेलन संपन्न

महायज्ञ, व्याख्यान, शौर्य प्रदर्शन और वैदिक प्रदर्शनी बने आकर्षण का केंद्र

भीनमाल. शाबाश इंडिया। स्थानीय नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान (जयपुर) के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय आर्य महासम्मेलन 2026 का समापन रविवार को भव्य रूप से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य किशनलाल गहलोत ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में रवि नैय्यर आर्य (पूर्व विधायक, जयपुर) उपस्थित रहे। समापन दिवस की शुरूआत 51 कुंडीय महायज्ञ से हुई, जिसमें वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। यज्ञ ब्रह्मा के रूप में आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय के अध्यक्ष स्वामी ओमानंद सरस्वती ने अनुष्ठान संपन्न कराया। शहर के सैकड़ों परिवारों एवं गणमान्य नागरिकों ने ''कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'' की भावना के साथ भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान पंडित केशव देव आर्य एवं हरियाणा से आई बहन कल्याणी ने भजनों के माध्यम से परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में एकता तथा परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर संत बलदेवनाथ महाराज, आचार्य आर्य नरेश, प्रो. नरेश धीमान (अजमेर विश्वविद्यालय), आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान जयसिंह गहलोत तथा रवि नैय्यर आर्य ने अपने विचार व्यक्त किए। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय ने ऑनलाइन संबोधित करते हुए समाज को सजग रहने और राष्ट्रीय मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने सनातन संस्कृति की एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम में शौर्य प्रदर्शन, वैदिक प्रदर्शनी और सेल्फी प्वाइंट भी आकर्षण का केंद्र रहे। समारोह के दौरान भामाशाहों एवं सनातन संस्कृति जागरण संघ के कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। अध्यक्ष आर्य किशनलाल गहलोत ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। अंत में स्वामी ओमानंद सरस्वती ने शांति पाठ के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। मंच संचालन ओमानंद सरस्वती एवं जीव वर्धन शास्त्री ने किया। कार्यक्रम में जयरूपराम माली, भंवरलाल माली, श्याम खेतावत, प्रेमाराम बंजारा, डॉ. श्रवण मोदी, डॉ. अक्षय बोहरा, शेखर व्यास, नरेंद्र आचार्य सहित सैकड़ों नगरवासी उपस्थित रहे।

प्रख्यात विद्वान प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी को आईसीपीआर की सीनियर फैलोशिप

नई दिल्ली/लाडनूं. शाबाश इंडिया

भारतीय दर्शन, विशेषकर जैन दर्शन तथा भारतीय और पाश्चात्य दर्शन के तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रख्यात विद्वान प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली द्वारा दो वर्षों के लिए प्रतिष्ठित सीनियर फैलोशिप प्रदान की गई है। इस संबंध में आईसीपीआर के निदेशक डॉ. अमित यादव ने आधिकारिक पत्र के माध्यम से सूचना दी है। इस फैलोशिप के अंतर्गत प्रो. त्रिपाठी को दो वर्षों तक प्रतिमाह ₹44,000 की राशि के साथ ₹44,000 वार्षिक कंटिन्जेंसी अनुदान प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें उनके शोध प्रस्ताव ''जैन एवं वैदिक दर्शन में सामाजिक नैतिक सिद्धांत: एक तुलनात्मक अध्ययन'' विषय पर प्रदान किया गया है। प्रो. त्रिपाठी भारतीय दर्शन जगत का एक प्रतिष्ठित नाम हैं। वे अब तक 70 से अधिक महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक रहे हैं, जिनमें जैन दर्शन, भारतीय सांस्कृतिक चिंतन, नैतिकता, आध्यात्मिकता एवं तुलनात्मक दर्शन जैसे विषयों पर उनका गहन और मौलिक अध्ययन परिलक्षित होता है। उनके लेखन में शास्त्रीय गहराई के साथ समकालीन संदर्भों की प्रासंगिकता भी स्पष्ट दिखाई देती है। साहित्य के क्षेत्र में भी उन्होंने कहानी संग्रह, बाल साहित्य, लघुकथाएं, नाटक और जीवनी लेखन के माध्यम से अपनी सृजनात्मकता का परिचय दिया है। शैक्षणिक एवं संस्थागत स्तर पर भी उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने ब्राह्मी विद्यापीठ में 10 वर्षों तक तथा जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं में 31 वर्षों तक सेवा देते हुए जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग के विभागाध्यक्ष पद को सुशोभित किया। उनके नेतृत्व में विभाग ने शोध और अध्ययन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कीं। इसके अतिरिक्त, प्रो. त्रिपाठी पिछले चार दशकों से अणुव्रत आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अणुव्रत के सिद्धांतों को व्यवहारिक जीवन में उतारने का निरंतर प्रयास किया है। आईसीपीआर की यह सीनियर फैलोशिप न केवल प्रो. त्रिपाठी की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय दर्शन, विशेषकर जैन दर्शन एवं तुलनात्मक अध्ययन के क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है।

संस्कारहीनता: एक चिंतन

यह एक ऐसा विषय है, जिस पर गंभीर चिंतन करना आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। वर्तमान समय में संस्कारों का संकट इतना बढ़ गया है कि हमारे चारों ओर का वातावरण आत्मीयता और रिश्तों की सच्चाई से दूर होकर मात्र आडंबर बनकर रह गया है। आज स्थिति यह है कि बड़े-बड़े उपदेशकों के उपदेश और धर्मग्रंथों की शिक्षाओं का भी लोगों पर विशेष प्रभाव दिखाई नहीं देता।

पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

संस्कारहीनता से ग्रस्त हमारे तन-मन पर पाश्चात्य जीवन-शैली, चाल-चलन और तौर-तरीकों का प्रभाव लगातार गहराता जा रहा है। इस संस्कृति ने विभिन्न रूपों में हमें प्रभावित किया है और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं तथा श्रद्धा को कमजोर किया है। हमारे रीति-रिवाज, खान-पान और बोलचाल—सबका पश्चिमीकरण तीव्र गति से हो रहा है।

सही ही कहा गया है...

यह हवा कैसी चलने लगी,
रंग मिट्टी बदलने लगी।
आदमी पर्वतों पर चढ़ा,
आदमीयत फिसलने लगी।

संस्कारहीनता का दुष्प्रभाव

आज माँ-बेटी, पिता-पुत्र सहित सभी रिश्तों में मर्यादा और आस्था कमजोर पड़ती जा रही है। संस्कारों की गरिमा हमारे जीवन से लुप्त होती प्रतीत हो रही है, जिसके कारण मानवता चारों ओर सिसकती नजर आती है। संस्कारहीनता ने हमारी वास्तविक पहचान को धुंधला कर दिया है और हमें अमर्यादित बना रही है। संस्कारों के अभाव में राक्षसी प्रवृत्तियाँ जन्म लेती हैं। मन में स्वार्थ, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अहंकार जैसे दोष पनपते हैं, जिससे हमारा मन—जो एक 'मंगल गृह' होना चाहिए—शुद्ध और शांत नहीं रह पाता।

संस्कारों का महत्व

संस्कार ही मन को सुव्यवस्थित, संतुलित और पवित्र बनाते हैं। वर्तमान परिवेश में माता-पिता स्वयं संस्कारी बनकर ही अपने बच्चों को सही दिशा दे सकते हैं। आज हमारा रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान, बोलचाल और शिक्षा—सभी कहीं न कहीं संस्कारहीनता की ओर झुकते दिखाई देते हैं। विशेष रूप से वेशभूषा में आई विकृति चिंताजनक है।

आधुनिकता और संस्कारों का संकट

आज के युग में टीवी और आधुनिक सुविधाओं के बीच संस्कारों की चमक फीकी पड़ती जा रही है। विज्ञान अनेक आविष्कार कर सकता है, परंतु संस्कारों का निर्माण नहीं कर सकता। आधुनिकता के अंधानुकरण ने हमारी प्राचीन संस्कृति को कमजोर किया है। मनुष्य, जो कभी रक्षक था, आज भक्षक बनने की ओर अग्रसर है। त्याग, समर्पण और परोपकार की भावना दिन-प्रतिदिन क्षीण होती जा रही है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने ज्ञान तो दिया है, परंतु नैतिकता और आत्मिक विकास की उपेक्षा की है। सादगी के वस्त्र सम्मान दिलाते हैं, जबकि वासना से प्रेरित आडंबर समाज में विकृति को जन्म देता है। आज हमारी परंपराएँ और आध्यात्मिकता हमें पिछड़ेपन का प्रतीक लगने लगी हैं—यही हमारी सबसे बड़ी भूल है।

अंततः निष्कर्ष यही है कि देश स्वतंत्र होने के बावजूद हम वैचारिक रूप से अभी भी पूर्णतः स्वतंत्र नहीं हो पाए हैं। सांस्कृतिक, सामाजिक और मानसिक गुलामी आज भी हमारे भीतर विद्यमान है। आवश्यकता है कि हम अपने संस्कारों को पहचानें, उन्हें अपनाएँ और आने वाली पीढ़ियों तक सहेजकर पहुँचाएँ। यही हमारे उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होगी।

विचारक: चंदा सेठी
दुर्गापुरा, जयपुर

जैन युवा एकता संघ का विस्तार, मानसरोवर व वैशाली नगर संभाग का पुनर्गठन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ की बैठक रविवार को मानसरोवर स्थित रजत पथ पर आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार के तहत मानसरोवर एवं वैशाली नगर संभाग का पुनर्गठन किया गया।

बैठक में मानसरोवर संभाग अध्यक्ष पद पर कुलदीप छाबड़ा को पुनः सर्वसम्मति से चुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष पद पर अनुज गंगवाल एवं राकेश छाबड़ा, महामंत्री पद पर अनंत जैन तथा कोषाध्यक्ष पद पर सुदर्शन पाटनी का निर्विरोध चयन किया गया। इसके अतिरिक्त वैशाली नगर संभाग की प्रथम कार्यकारिणी की नींव रखते हुए एडवोकेट मनोज बड़जात्या को संभाग अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन ''बिट्टू'' ने कहा कि जैन युवा एकता संघ युवाओं को एक मंच पर लाकर समाज और धर्म के संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही दोनों संभागों की पूर्ण कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा और राजधानी में 10 नई युवा टीमों का गठन कर सेवा कार्यों को गति दी जाएगी। बैठक में राष्ट्रीय सचिव प्रमोद बाकलीवाल, कुलदीप छाबड़ा, सुदर्शन पाटनी, अनंत जैन, अनुज गंगवाल, एडवोकेट मनोज बड़जात्या, अमित जैन, विकास जैन, राकेश छाबड़ा, प्रिया बाकलीवाल, प्रियंका अजमेरा, श्रेया जैन, संगीता काला, रितिका जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पदमपुरा की मासिक बस यात्रा का आयोजन

अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ द्वारा पिछले 10 वर्षों से आयोजित की जा रही मासिक पदमपुरा बस यात्रा रविवार को प्रातः 6:15 बजे वरुण पथ जैन मंदिर से प्रारंभ हुई। यात्रा में महावीर बड़जात्या, गौरव जैन, सूचित सेठी, प्रमोद बाकलीवाल, कुलदीप छाबड़ा, सुदर्शन पाटनी, नरेश शाह, राकेश छाबड़ा, जयंत जैन, प्रिया जैन, निधि जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सभी ने छठे तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभु के दर्शन, पूजन एवं आरती कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

महावीर जयंती पर 4 शिविरों से 370 यूनिट रक्त संकलित

"जियो और जीने दो" के संदेश के साथ मिला उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा रविवार को शहर के चार स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों में उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। दोपहर तक कुल 370 यूनिट रक्त संकलित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से समाज को "जियो और जीने दो" का संदेश भी दिया गया। शहर के चंद्रसागर दिगंबर जैन धर्मशाला (शाहगंज), देशमुखनगर स्थित भगवान मल्लिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, विष्णुनगर स्थित चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तथा हडको एम-2 स्थित कलिकुंड पार्श्वनाथ सैतवाल दिगंबर जैन मंदिर में एक साथ रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र दर्डा ने नागपुर से आयोजकों से संपर्क कर उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना की, जिससे कार्यकर्ताओं का उत्साह और बढ़ा। परियोजना प्रमुख डॉ. प्रकाश झांबड़, डॉ. प्रकाश पाटनी के साथ डॉ. आकाश कासलीवाल, डॉ. सुभाष पाटोदी, डॉ. गोविंद नागदकर, डॉ. राजीव मुंदड़ा, डॉ. साक्षी ठोले एवं डॉ. सलोनी ठोले सहित चिकित्सा दल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। महोत्सव समिति के अध्यक्ष प्रतीक साहूजी, कार्याध्यक्ष अजय सिंघवी, कोषाध्यक्ष पंकज साखला, संयोजक श्रेणिक कासलीवाल एवं हितेश कांकरिया ने शिविरों का दौरा कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

देशमुखनगर में सर्वाधिक 235 यूनिट रक्तदान

देशमुखनगर स्थित भगवान मल्लिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में आयोजित शिविर में सर्वाधिक 235 लोगों ने रक्तदान किया। यहां रक्तदान के साथ बीपी और नेत्र जांच भी की गई।

चंद्रसागर धर्मशाला में 80 लोगों ने किया रक्तदान

शाहगंज स्थित चंद्रसागर दिगंबर जैन धर्मशाला में 80 लोगों ने रक्तदान किया, जिनमें आठ महिलाएं शामिल रहीं। आयोजन की सफलता में मनोज छाबड़ा, प्रिया छाबड़ा एवं चिराग छाबड़ा का विशेष योगदान रहा।

विष्णुनगर में 41, हडको में 14 यूनिट संकलित

विष्णुनगर स्थित शिविर में 41 लोगों ने रक्तदान किया, जबकि हडको एम-2 स्थित शिविर में 14 रक्तदाताओं ने भाग लिया। इस आयोजन में समाज के अनेक पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पीयूष कासलीवाल ने बताया कि यह सेवा कार्य समाज की एकजुटता और मानवता के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

समाज के विकास में धन की कमी नहीं आएगी: रमेश चंद्र गुप्ता

अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा की 35वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक संपन्न

जयपुर/नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा की 35वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक रविवार को दिल्ली के पीतमपुरा स्थित गोल्डन एप्पल परिसर में खंडेलवाल युवा जनजागरन समिति, दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित की गई। बैठक में देशभर के विभिन्न राज्यों और शहरों से आए समाज बंधुओं ने भाग लेकर समाज के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और कई अहम निर्णय लिए। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्ता (तूँगा वाले) ने कहा कि समाज के विकास में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इसके लिए समाज के भामाशाहों को जोड़कर सेवा कार्यों को और गति दी जाएगी। बैठक के दौरान समाजसेवी एवं उद्योगपति हरी मोहन डगायच ने 42 लाख रुपये, महासभा अध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्ता ने 31 लाख रुपये तथा मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष संजीव कुमार कट्टा ने 24 लाख रुपये समाज विकास के लिए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में महासभा के प्रधानमंत्री चंद्र प्रकाश खंडेलवाल, कार्यकारी अध्यक्ष गोपाल खंडेलवाल (मथुरा), गिरधारीलाल खंडेलवाल (डीग), कार्यालय मंत्री रामकिशोर खुटेटा, पूर्व प्रधानमंत्री राकेश रावत एवं नरेश खंडेलवाल (मंडी गोविंदगढ़) ने महासभा की गतिविधियों एवं पूर्व में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। महासभा पत्रिका के मुख्य संपादक राम निरंजन खुटेटा भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी प्रो. रमेश कुमार रावत ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ संत सुंदरदास जी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। अतिथियों का माल्यार्पण एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों—राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, सिक्किम एवं अरुणाचल प्रदेश—के साथ दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, मुंबई, हैदराबाद, रतलाम सहित कई शहरों से आए पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के सफल आयोजन में दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न खंडेलवाल समाज संगठनों ने सक्रिय सहयोग दिया। कार्यक्रम के संचालन में रविकांत वैध, अजय ठाकुरिया, नरेश रावत एवं आश्वी खंडेलवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर महासभा के संरक्षक, पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

JSG सिद्धा परिवार के रक्तदान शिविर में 60 यूनिट रक्त संकलित

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 200 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

जयपुर (झोटवाड़ा)

भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर जैन सोशल ग्रुप (JSG) सिद्धा परिवार की ओर से झोटवाड़ा में आयोजित रक्तदान एवं नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 60 यूनिट रक्त संकलित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार-सीमा पाटनी एवं अध्यक्ष सौरभ-रतिका गोधा ने बताया कि यह शिविर राजस्थान जैन सभा के आह्वान पर 22 मार्च 2026 को प्रातः 8:15 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक आयोजित किया गया। आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सकल दिगंबर जैन समाज झोटवाड़ा, जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार एवं सन्नू मेडिकल के संयुक्त तत्वावधान में कांटा चौराहा, कालवाड़ रोड स्थित सरकारी डिस्पेंसरी में हुआ।

शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि अशोक जी एवं दिलीप जी पाटनी (भेसलाना परिवार) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाषचंद्र जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन (कोटखावदा), महामंत्री मनीष बेद, मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अजय काला एवं मंत्री नवीन जैन का तिलक, माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया।शिविर में 60 यूनिट रक्त संकलित किया गया, वहीं 200 से अधिक लोगों ने नि:शुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। आयोजन के दौरान "रक्तदान करें, मानवता की सेवा करें" का संदेश दिया गया। साथ ही दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित कर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में आए सभी रक्तदाताओं एवं लाभार्थियों के लिए अल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई।आयोजन की सफलता में दिनेश-नीलम काला, अंजन-आकांक्षा जैन, सुरेंद्र-संगीता छाबड़ा, मनोज-मनीषा सोगानी सहित कई सदस्यों का योगदान रहा। कार्यक्रम संयोजक मुकेश-मनीषा दोषी, अभिषेक-चित्रा जैन, विनय-मंजू बैराठी, दिलीप-अल्का पाटनी, नीरज-नीता पाटनी, सुनील-संगीता सेठी एवं अंकित-सोनिया जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और मानवता के प्रति समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण रहा।

राजस्थान जैन साहित्य परिषद की "क्रिया-परिणाम-अभिप्राय" विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन साहित्य परिषद की मासिक विचार गोष्ठी रविवार को सांगानेर स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर (चोमू बाग) में आचार्य श्री 108 विभक्त सागर जी महाराज एवं आर्यिका नंदीश्वर मति माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित की गई। परिषद अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि गोष्ठी का विषय ''क्रिया-परिणाम-अभिप्राय'' रखा गया था। मुख्य वक्ता डॉ. भागचंद जैन ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सरल भाषा में विषय की व्याख्या करते हुए अंतरंग, बाह्य, लौकिक एवं धार्मिक क्रियाओं के साथ-साथ शुभ, अशुभ एवं शुद्ध परिणामों तथा मिथ्या दृष्टि और सम्यक दृष्टि अभिप्राय को उदाहरण सहित समझाया। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात आचार्य विभक्त सागर एवं आर्यिका नंदीश्वर मति माताजी का पाद प्रक्षालन अतिथियों द्वारा किया गया। दोनों संतों ने अपने उद्बोधन में विषय पर प्रकाश डालते हुए परिषद के इस प्रकार के बौद्धिक आयोजनों की सराहना की।

मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार छाबड़ा, उपाध्यक्ष प्रह्लाद जैन, मंत्री आशीष जैन पाटनी, कोषाध्यक्ष मुकेश छाबड़ा सहित अन्य पदाधिकारियों ने परिषद के सदस्यों का तिलक एवं अभिनंदन किया। मुख्य वक्ता का स्वागत पदम जैन बिलाला के साथ योगेश टोडरका, कैलाश मलैया, अरविंद जैन एवं सरोज जैन ने किया। कार्यक्रम में बी.एल. गोदीका, राजस्थान जैन सभा की राखी जैन, धर्म जागृति संस्थान के पंकज लुहाड़िया, महेश काला, सोभाग अजमेरा, जैन बैंकर्स फोरम के लवनीश बगड़ा, जैन पत्रकार महासंघ के उदयभान जैन एवं नमोकार परिषद के हरकचंद बड़जात्या सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त मंत्री पं. रमेशचंद गंगवाल ने किया तथा संयोजक सुदर्शन पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हार्दिक बधाई

गंगापुर सिटी के पूर्व विधायक स्वर्गीय श्री हरीशचंद पल्लीवाल की पौत्री तथा श्री राजीव पल्लीवाल एवं श्रीमती रीना पल्लीवाल की सुपुत्री डॉ. अंशुला जैन का चयन सुप्रसिद्ध आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुड़गांव में नेफ्रोलॉजी विभाग में सुपर स्पेशलिटी कोर्स (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन) हेतु हुआ है। डॉ. अंशुला जैन ने हाल ही में बी.एल. कपूर हॉस्पिटल, नई दिल्ली से जनरल मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएशन पूर्ण किया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर डॉ. अंशुला जैन को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

"अंतरंग की भावना के अनुरूप ही परिणाम मिलते हैं": आचार्य निर्भयसागर

वैज्ञानिक संत दिगम्बराचार्य का मुरैना में भव्य मंगल प्रवेश

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

वैज्ञानिक संत दिगम्बराचार्य श्री निर्भयसागरजी महाराज ससंघ का मुरैना नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। नगर में उनके आगमन पर जैन समाज ने गाजे-बाजे और शोभायात्रा के साथ श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। बड़े जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य निर्भयसागर महाराज ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों को हमने हृदय से पूरी तरह स्वीकार नहीं किया और न ही उनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया। यदि ऐसा किया होता, तो आज पूरे विश्व में सत्य और अहिंसा का प्रभाव अधिक व्यापक होता। उन्होंने कहा कि जैन धर्म भावना प्रधान धर्म है। मनुष्य के अंतरंग में जैसे विचार होते हैं, उसी के अनुरूप उसे परिणाम प्राप्त होते हैं। इसलिए व्यक्ति को सदैव अपने भीतर शुभ और सकारात्मक भावनाएं रखनी चाहिए तथा प्राणी मात्र के कल्याण के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। आचार्य श्री ने यह भी कहा कि जैन धर्म के सिद्धांतों को केवल एक समुदाय तक सीमित न रखकर जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। केवल मंदिरों में कल्याणक और जयंती मनाने के बजाय तीर्थंकरों के जीवन और उनके सिद्धांतों का व्यापक प्रसार आवश्यक है। इस अवसर पर आचार्य संघ–मुनिश्री सुदत्तसागर, मुनिश्री भूदत्तसागर, क्षुल्लक श्री चंद्रदत्तसागर एवं क्षुल्लक श्री यशोदत्तसागर–के साथ नगर में शोभायात्रा निकाली गई। पुलिस पेट्रोल पंप से प्रारंभ हुई यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों–सूबात रोड, पुल तिराहा, हनुमान चौराहा, झंडा चौक, सराफा बाजार और लोहिया बाजार–से होते हुए श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा जैन मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में महिलाएं और श्रद्धालु भक्ति गीतों का गायन करते हुए चल रहे थे, वहीं बच्चे पंचरंगी ध्वज लेकर उत्साह के साथ शामिल हुए। विभिन्न स्थानों पर आचार्य संघ का पाद प्रक्षालन एवं आरती कर स्वागत किया गया। धर्मसभा का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ, जिसमें साधर्मी बंधुओं ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार्य संघ का सान्निध्य भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव तक मुरैना में रहेगा। महोत्सव समिति के मुख्य संयोजक डालचंद जैन, संयोजक मनीष जैन, पदमचंद जैन एवं नीलेश जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने आचार्य श्री से सान्निध्य प्रदान करने का निवेदन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रतिष्ठाचार्य पंडित संजय शास्त्री (सिहोनिया) ने किया।

फागी क्षेत्र के जिनालयों में भगवान अजितनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

फागी. शाबाश इंडिया। फागी कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों–चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लसाड़िया एवं लदाना–के विभिन्न जिनालयों में जैन धर्म के दूसरे तीर्थंकर भगवान अजितनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कस्बे के बीचला मंदिर स्थित पार्श्वनाथ जिनालय में प्रातःकाल अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात अष्टद्रव्यों से विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर विभिन्न तीर्थंकरों एवं पूर्वाचार्यों के अर्घ्य अर्पित किए गए। जयकारों के बीच भगवान अजितनाथ को लाडू अर्पित कर विश्व में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। वयोवृद्ध संतरा चौधरी एवं विश्वलता चौधरी ने भगवान अजितनाथ के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म अयोध्या में इक्ष्वाकु वंश के राजा जितशत्रु और माता विजया के यहां माघ शुक्ल अष्टमी को हुआ था। उनका चिन्ह हाथी है और वे संयम, त्याग एवं तपस्या के प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि भगवान अजितनाथ ने दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात 12 वर्षों की कठोर साधना के बाद पौष शुक्ल एकादशी को केवलज्ञान प्राप्त किया तथा बाद में सम्मेद शिखर से 1000 मुनियों के साथ मोक्ष प्राप्त किया। कार्यक्रम में पंडित संतोष बजाज, सुरेंद्र चौधरी, राजेंद्र मोदी, कमलेश नला, वीरेंद्र नला, विमल कलवाड़ा, प्रिंस चौधरी सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं। यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक आस्था का सुंदर संगम बनकर सामने आया।

दिगंबर जैन युवा महासभा प्रतापगढ़ जिले के अध्यक्ष व महामंत्री मनोनीत

प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया। भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष विकेश मेहता जैन ने राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए मुकेश जैन को जिला अध्यक्ष एवं नितेश सेठ को महामंत्री पद पर मनोनीत किया है। प्रदेश प्रतिनिधि अंकित जैन ने बताया कि दोनों नव-नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे शीघ्र ही जिले में एक सशक्त एवं विस्तृत कार्यकारिणी का गठन करें। साथ ही महिला शाखा का गठन कर महिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति भी सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ने दोनों पदाधिकारियों एवं समाज के प्रतिनिधियों से जैन जागृति जनगणना अभियान को गति देने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि दिगंबर जैन संतों के मार्गदर्शन में समाज की एकता को मजबूत करने के लिए गांव-गांव तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके साथ ही जैन विद्यालयों एवं पाठशालाओं में युवाओं और विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। महासभा के सानिध्य में आगामी अप्रैल माह में आचार्य प्रज्ञ सागर जी महाराज के सान्निध्य में युवा प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें जैन समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को आमंत्रित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। यह नियुक्तियां संगठन को मजबूती देने और समाज में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, अजितनाथ भिंड का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

भिंड. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, अजितनाथ भिंड का शपथ ग्रहण (संकल्प) समारोह 21 मार्च 2026 को लश्कर रोड स्थित व्यापार मंडल धर्मशाला में हर्षोल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल जैन (राष्ट्रीय अध्यक्ष, फेडरेशन), शपथ विधि अधिकारी आलोक जैन (राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव, झांसी) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में चंबल रीजन अध्यक्ष अनुपम चौधरी उपस्थित रहे। इसके अलावा अशोक कुमार जैन (अध्यक्ष, अतिशय क्षेत्र वल्लभपुर बरही न्यास) एवं नरेश चंद्र जैन सहित कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच उद्घाटन, चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष राजेश जैन ने की। शपथ विधि अधिकारी आलोक जैन ने नवीन कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसमें चौधरी मुन्ना जैन (किला रोड) को अध्यक्ष, अजीत जैन को सचिव तथा शैलू जैन को कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। साथ ही सभी पदाधिकारियों एवं दांपत्य सदस्यों को संगठन की एकता, अखंडता और समर्पण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम संयोजक राकेश जैन ने इसे सफल एवं प्रेरणादायक बताया। सहसंयोजक स्वदेश जैन, विपिन जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंगलाचरण निलेश जैन, राजेश जैन एवं प्रदीप जैन परिवार द्वारा प्रस्तुत किया गया, वहीं कुमारी अनन्या एवं अवनी जैन ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। अतिथियों का स्वागत तिलक, पट्टिका एवं पुष्पगुच्छ के साथ किया गया। इस अवसर पर सहसंयोजक के रूप में संभव जैन एवं शैलेश जैन को दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष राजेश जैन ने अपने कार्यकाल में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शैलू जैन ने प्रभावी ढंग से किया। अंत में सामूहिक स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें सभी सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

कन्या जन्म गौरव स्वाभिमान सम्मान समारोह–सीजन 3 सफलतापूर्वक सम्पन्न

जयपुर

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला एवं बाल विकास को समर्पित संस्था "वूमेन पॉवर सोशलिटी फाउंडेशन इंडिया (WPSF)" द्वारा आयोजित "कन्या जन्म गौरव स्वाभिमान सम्मान समारोह – सीजन 3" का भव्य आयोजन जयपुर के टोंक रोड स्थित होटल अक्ष इन में गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रदेश अध्यक्ष जिनेश कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वी.सी. मलिकार्जुन (डीआईजी, आरपीएफ) रहे, जबकि अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधिक सलाहकार परिषद डॉ. ए. पी. सिंह ने की। विशिष्ट अतिथियों में अमृता मेघवाल (पूर्व विधायक, जालोर), पूर्णिमा पाठक (प्रशासनिक अधिकारी, रेलवे विभाग), आर्किटेक्ट मुस्कान राणा, डॉ. आलोक छाबड़ा, श्रीमती एकता अग्रवाल, सुनीता राजोरिया एवं ऊषा चारनाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, समाजसेवियों एवं जन्मजात कन्याओं को सम्मानित किया गया। साथ ही कन्या जन्मदात्री माताओं को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुरुष समाजसेवियों को "मानवता के रत्न" सम्मान से नवाजा गया।WPSF की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री राजकन्या ने कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) की ओर से कन्या जन्म पर विशेष निःशुल्क बीमा योजना लागू किए जाने की घोषणा की, जो बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के दौरान संस्था की त्रैमासिक पत्रिका का लोकार्पण डॉ. ए. पी. सिंह एवं अन्य अतिथियों तथा WPSF परिवार के पदाधिकारियों के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सहयोगी संस्थाओं का विशेष योगदान रहा। प्रमुख सहयोगियों में वाणी चेस क्लब, केएनवी इंस्टिट्यूट, राणाज आर्किटेक्ट्स, रिम्मू फाउंडेशन जयपुर एवं दैनिक राजस्थान दर्पण (मीडिया पार्टनर) शामिल रहे। राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राकेश वशिष्ठ, डॉ. राजबाला चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. माधुरी शर्मा, जिनेश कुमार जैन, बबीता शर्मा एवं संयोजिका प्रीति रानी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।अंत में प्रदेश अध्यक्ष जिनेश कुमार जैन ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं विशेष रूप से संतोष जी भाई साहब तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री राजकन्या को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों एवं विज्ञापनकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।उन्होंने बताया कि यह आयोजन समाज में कन्या सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता का सशक्त संदेश देने में पूर्णतः सफल रहा और यह कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

जिनेश कुमार जैन प्रदेश अध्यक्ष,
WPSF

उदयपुर में "समत्व" ने रचा इतिहास

11 हजार श्रद्धालुओं के बीच भक्ति-संगीत का अद्भुत संगम

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन मेवाड़ रीजन एवं जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ''समत्वः जैन म्यूजिक फेस्टिवल'' ने उदयपुर में इतिहास रच दिया। भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में लगभग 11 हजार श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक उपस्थिति रही, जिससे पूरा शहर भक्ति और संगीत के रंग में सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता मंत्री गौतम दक, शहर विधायक ताराचंद जैन, शांतिलाल मारू एवं जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन के चेयरमैन अरुण मांडोत द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। चेयरमैन अरुण मांडोत ने बताया कि मुंबई से आए प्रसिद्ध जैन भक्ति गायक ऋषभ जैन और संभव जैन सहित कलाकारों की टीम ने अपनी ऊर्जावान प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। जब मंच से रग-रग में दौड़ता वो तो नवकार है, बनूं मैं जैन दोबारा और तेरे दर जब-जब आया मैं जैसे भक्ति गीत गूंजे, तो पूरा जनसमूह एक साथ झूम उठा। कार्यक्रम देर रात तक उत्साह और ऊर्जा के साथ चलता रहा, जहां श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर आनंद लेते रहे। इस अवसर पर गौतम दक, ताराचंद जैन, शांतिलाल मारू, पारस सिंघवी, प्रमोद सामर, महावीर चपलोत, आलोक पगारिया, नितुल चंडालिया, अतुल चंडालिया, जिनेंद्र शास्त्री सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेंद्र हरकावत ने बताया कि इस आयोजन में चिराग कोठारी, अमन कटारिया, शरद कोठारी, विशाल कपूर, चिराग मारू, संदीप मारू, चेतन जैन, आदिश खोडनिया सहित कई प्रमुख जनों का सहयोग रहा। ग्रुप अध्यक्ष पंकज जैन ने जानकारी दी कि कार्यक्रम की सफलता में मेवाड़ रीजन एवं प्लेटिनम ग्रुप की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसमें पारस ढेलावत, मोहन बोहरा, आशुतोष सिसोदिया, महेश पोरवाल, हिमांशु मेहता, शुभम गांधी, लोकेश जैन सहित संयोजक तनुजय जैन, सुमित खाब्या, आशीष रत्नावत और आशीष किकावत ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन कमल नाहर एवं एंकर हिमांशु जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन तनुजय जैन द्वारा किया गया। यह आयोजन जैन समाज की एकता, भक्ति और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बनकर सामने आया और उदयपुर में एक अविस्मरणीय छाप छोड़ गया।

देहदान प्रेरणा कार्यों के लिए अजीत कोठिया सम्मानित

डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग ने किया अभिनंदन

डूंगरपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया को देहदान के प्रति जागरूकता फैलाने और प्रेरक कार्यों के लिए आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, डूंगरपुर के एनाटॉमी विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कोठिया को अब तक 15 लोगों को मरणोपरांत देहदान के लिए प्रेरित कर आवेदन कराने में सहयोग देने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. हितेश बाबेल एवं प्रोफेसर डॉ. अजय परमार ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके इस मानवीय एवं समाजोपयोगी कार्य की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. बाबेल एवं डॉ. परमार ने कोठिया को 12 देहदान संकल्पकर्ताओं के प्रमाणपत्र भी प्रदान किए। साथ ही हाल ही में देहदान की घोषणा करने वाले रैयाना निवासी विनोद पंचाल एवं उनकी धर्मपत्नी अनीता पंचाल के कार्ड भी भेंट किए गए। कार्यक्रम के दौरान महावीर इंटरनेशनल की ई-चौपाल में मरणोपरांत देहदान विषय पर विशेष जानकारी साझा की गई। अजीत कोठिया ने दोनों चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की जागरूकता समाज में मानव सेवा की भावना को और सशक्त बनाती है। डॉ. हितेश बाबेल ने आमजन से अपील की कि वे मरणोपरांत देहदान का संकल्प लेकर चिकित्सा शिक्षा और मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। यह सम्मान समाज में सेवा, जागरूकता और मानव कल्याण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक के पूर्व उत्सव का आयोजन

धुलियान पाठशाला के बच्चों ने प्रस्तुत किया बाल्य रूप

धुलियान, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल). शाबाश इंडिया

श्री 1008 भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के पूर्व दस दिवसीय उत्सव के तहत धुलियान में घर-घर धार्मिक वातावरण में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज पाठशाला के बच्चों ने भगवान महावीर के बाल्य रूप का सजीव एवं मनोहारी प्रस्तुतीकरण किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने अभिभावकों के समक्ष भगवान महावीर की अहिंसा, करुणा एवं शांति के संदेशों का गुणगान कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस भव्य आयोजन में बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। ज्ञात हो कि धुलियान मंदिर प्रांगण में स्थित श्री ज्ञान विद्या मंदिर नामक धार्मिक पाठशाला पिछले 31 वर्षों से संचालित हो रही है, जिसमें वर्तमान में 42 छात्र अध्ययनरत हैं। पाठशाला के संयोजक श्री प्रभात जी जैन बड़जात्या हैं, जबकि वर्तमान में धर्म शिक्षा का दायित्व गांव की दो बहुएं स्वेता जैन काला एवं मनीषा जैन अजमेरा समर्पण भाव से निभा रही हैं। वे बच्चों को लौकिक शिक्षा के साथ-साथ धार्मिक संस्कारों का ज्ञान भी प्रदान कर रही हैं। **संकलनः संजय कुमार जैन बड़जात्या**

जेसीआई शाहीबाग अहमदाबाद का 26वां शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

अनिल जीवावत ने 2026 के अध्यक्ष पद की शपथ ली

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्था जूनियर चैंबर इंटरनेशनल के शाहीबाग अहमदाबाद चैप्टर का 26वाँ शपथ ग्रहण समारोह वैष्णोदेवी सर्किल स्थित द रॉयल पवेलियन बैंक्वेट हॉल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जेसीआई गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि दिनेश कुमार विजय, की-नोट स्पीकर जेसी ललित बलडानिया (जोन 8 अध्यक्ष) तथा विशिष्ट अतिथि दिनेश जैन और जेसी योगेश्वरी राठौड़ (जोन 8 उपाध्यक्ष) उपस्थित रहे। निवर्तमान अध्यक्ष आकाश मेहता ने अपने कार्यकाल का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्ष भर के सफल आयोजनों की जानकारी दी, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सराहा। इसके पश्चात वर्ष 2026 के लिए अनिल जीवावत ने अध्यक्ष पद की शपथ ली। उनके साथ विमल बागरेचा ने सचिव एवं अंकित कोठारी ने कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। सभी पदाधिकारियों को जेसीआई पिन प्रदान कर सम्मानित किया गया। नव-नियुक्त अध्यक्ष अनिल जीवावत ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल में सभी सदस्यों के सहयोग से नए आयाम स्थापित करने का संकल्प लिया। उन्होंने 2026 की कार्यकारिणी को गोपनीयता की शपथ भी दिलाई, जबकि नए सदस्यों को शपथ जोन अध्यक्ष जेसी ललित बलडानिया द्वारा दिलाई गई। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि जेसीआई विश्व स्तर पर युवाओं के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। संस्थापक अध्यक्ष अशोक बाफना ने नव-कार्यकारिणी से वर्ष 2026 को यादगार बनाने की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने मंच संचालन कर रही युविका मुकेश चौपड़ा की भी सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। अतिथियों का सम्मान पूर्व अध्यक्ष राणमल तातेड़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश आर. चौपड़ा एवं युविका एम. चौपड़ा ने किया, जबकि अंत में विमल बागरेचा ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

सर्वतोभद्र विधान में त्रिलोक तीर्थंकरों की भक्ति, 281 अर्घ्य अर्पित

"जीते जी सहयोग ही सच्चा धर्म": आचार्य प्रज्ञा सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सान्निध्य में चित्रकूट कॉलोनी स्थित कंवर का बाग में आयोजित सर्वतोभद्र महामंडल विधान के पांचवें दिन श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना करते हुए 13 पूजाओं में कुल 281 अर्घ्य अर्पित किए। संयोजक ओमप्रकाश कटारिया एवं संयुक्त मंत्री सत्यप्रकाश कासलीवाल ने बताया कि प्रातःकाल अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात नित्य नियम की पूजा प्रारंभ हुई। इस दौरान पूर्व-पश्चिम घात एवं ऐरावत क्षेत्र के भूत, भविष्य और वर्तमान चौबीस तीर्थंकरों की संगीतमय भक्ति पूजा की गई तथा इन्द्र द्वारा अर्घ्य अर्पित किए गए। इसके पश्चात पाद प्रक्षालन एवं दीपक बोहरा परिवार द्वारा भव्य गुरु पूजा संपन्न हुई, जिसमें पांच द्रव्यों से विधिपूर्वक पूजन एवं आरती की गई। महाआरती का सौभाग्य महावीर आशीष सिरोली परिवार को प्राप्त हुआ। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य के आचरण में विसंगतियां बढ़ती जा रही हैं। लोग जीवित अवस्था में एक-दूसरे का सहयोग नहीं करते, जबकि मृत्यु के बाद औपचारिकता निभाते हैं, जिसका कोई वास्तविक मूल्य नहीं होता। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने जीवनकाल में ही परिवार और समाज के लोगों की यथासंभव सहायता करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सर्वतोभद्र महामंडल विधान का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत कल्याण नहीं, बल्कि समाज के व्यापक हित और जन-जन के कल्याण की भावना को प्रबल करना है। संयुक्त मंत्री सत्यप्रकाश कासलीवाल ने जानकारी दी कि मंगलवार को 15 पूजाओं का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होंगे, जिसके पश्चात आहार चर्या संपन्न होगी। यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक संदेश का सुंदर संगम बनकर सामने आ रहा है।

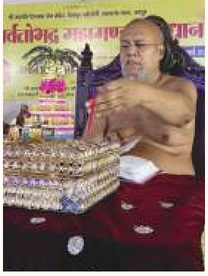

'रत्नत्रय कनेक्ट' का भव्य आयोजन, महिलाओं ने दिखाया उत्साह और आत्मविश्वास

जयपुर. शाबाश इंडिया। रत्नत्रय महिला जागृति संघ द्वारा आयोजित 'रत्नत्रय कनेक्ट' कार्यक्रम शहर की जैन महिलाओं के उत्साह, सहभागिता और सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर इसे यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूनम खंडेलवाल द्वारा फीता काटकर तथा नीरू जैन द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संघ की संस्थापक प्रियंका पाटनी, शालू बाकलीवाल, सुमन जैन, सरिता जैन, पूनम सेठी एवं रेखा पाटनी द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान सुमन जैन ने 'रत्नत्रय' का परिचय देते हुए संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। शालू बाकलीवाल (माधोराजपुरा) ने संस्था की स्थापना, अब तक के कार्यों एवं संघ से जुड़ने के लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रियंका पाटनी ने संघ की आगामी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजिका समता जैन एवं प्रिया जैन तथा सह-संयोजिकाएं अलका पाटनी, सुधा बाकलीवाल, श्वेता बाकलीवाल एवं सुरभि जैन ने आयोजन की व्यवस्थाओं को कुशलतापूर्वक संभाला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्य अतिथि डॉ. स्वीटी सोनी के साथ आयोजित 'टॉक शो' रहा, जिसमें उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य, पर्सनल केयर और बढ़ती उम्र के साथ होने वाले बदलावों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस दौरान आयोजित 'रैंप वॉक' में महिलाओं ने आत्मविश्वास के साथ भाग लेकर सभी का मन मोह लिया। 'एलिवेटर कैच' और नेटवर्किंग रिबन जैसे रोचक खेलों ने कार्यक्रम में उत्साह का रंग भर दिया।